(iv) ALLEGED CLOSURE OF DRUG MANUFACTURING COMPANIES IN BOMB(fl THANE REGION.

SRI AJIT KUMAR SAHA (Vishnupur): Some of the companies, manufacturing drugs and pharmaceuticals in Bombay—Thane Region of Maharashtra State have affected the production of life saving and essential drugs through closures and lock-outs. Some of these companies are M/s. Gufic Labs., Bombay, M|s. Themis Pharmaceuticals (Prop: Chemosign Private Limited) Bombay, M|s. CIBA-Geigy Ltd., Bombay among others.

Consequent to closure and lock-out a large number of workmen and their families are deprived of their only source of livelihood.

It is reported that large amounts of loans have been taken by M|s. Gufic Labs., Bombay and M|s. Themis Pharmaceuticals (Prop: Chemosign Private Ltd.) Bombay and nationalised banks and other public financial institutions.

Each of these companies having many subsidiaries and associated companies having substantial interests. The capital, raw materials and labour are being frequently interchanged in these subsidiary and associated companies. The closure of these drug firms engendered serious industrial unrest among the workers of the entire pharmaceutical industry particularly in Bombay-Thane regin in Maharashtra which unless resolved, may seriously affect the production and availability of life-saving and essential drugs. Therefore, I urge upon the Government to investigate into the real reasons behind such closures and to find out whether the funds of the nationalised banks and public financial institutions were misused by the proprietors of these firms and whether any hindrance to the production of essential drugs in detriment to the interest of the people of the country and harassment of labour have been caused.

(v) NEED FOR DECLARATLON OF DR. AMBEDKAR'S BIRTHDAY AS A NATIONAL HOLIDAY.

श्री सत्यनारायण जटिया (उज्जैन) : 14 अप्रैल, भारतीय संविधान के निर्माता डा० अम्बेडकर का जन्म दिवस है । वे भारतीय संविधान के रचियता तो हैं ही उनका जीवन कार्य स्वयंमेव प्रकाश-स्तम्भ की तरह अनेकों अनेक लोगों का सदैव पथ प्रशस्त करता रहेगा । वे शोषित पीड़ित दलित जनों की भावनाओं की शाश्वत अभिव्यक्ति हैं । उन्होंने सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए सतत संघर्ष किया । वे अपने समय के प्रखर विद्वान तथा विधि शास्त्री थे । उनका विचार सुधारवादी था । अमरीका की कोलम्बिया युनिवर्सिटी में ऐंथ्रोपोलाजी सेमिनार में दिनांक 9 मई, 1961 को अपना शोध पत्र पढ़ते हुए कहा था "मैं अपनी विचार-धारा को छोड़ने में नहीं हिचकिचाऊँगा यदि कोई इससे श्रेष्ठ चीज पैदा करता है। मुझे उसे छोड़ने में उतना ही हर्ष होगा जितना सदा के लिए विवादास्पद रहने वाले विषय पर बौद्धिक असहमति देखने में होता है ।" और उन्होंने कहा था कि मैं जितना कार्य करके जा रहा हूं, यदि उसे आगे नहीं बढ़ाया जा सके तो पीछे न जाने पाये । ऐसे महापुरुष जिनका कार्य देश और समाज के लिए सदा अविस्मरणीय है ।

मैं केन्द्र सरकार से बात करता हूं कि 14 अप्रैल, को डा० अम्बेडकर के जन्म दिवस के उपलक्ष में राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करें ।

(vi) REPORTED SHORTAGE OF POWER FOR THE COMING ASIAN GAMES.

श्री रसीद मसूद : (सहारनपुर) : मैं रूल 377 के तहत सरकार का ध्यान